

- उस व्यवस्था को क्या कहा जाता है, जिसके तहत किसी देश के संसाधनों का आवंटन और वस्तुओं एवं सेवाओं का वितरण देशभर में किया जाता है?  
- **आर्थिक व्यवस्था (Economic System)**
- किस भी आर्थिक व्यवस्था या अर्थव्यवस्था में तीन मूलभूत प्रश्नों पर गौर किया जाता है— क्या उत्पादित किया जाये, किस विधि द्वारा और कितना उत्पादित किया जाये तथा किनके लिए और किस कीमत पर उत्पादित किया जाये। इस प्रकार किसी अर्थव्यवस्था को किन तीन बिंदुओं द्वारा परिभाषित किया जाता है?  
- **उत्पादन, वितरण एवं कीमत प्रणाली**
- अर्थशास्त्र का जनक किसको कहा जाता है?  
- **एडम स्मिथ**
- पूंजीवादी, समाजवादी तथा मिश्रित अर्थव्यवस्था— अर्थव्यवस्था के तीन प्रमुख प्रकार हैं। पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों पर किसी व्यक्ति या निजी संस्था का अधिकार होता है। समाजवादी अर्थव्यवस्था में उत्पादन के सभी साधनों पर किसका स्वामित्व होता है?  
- **राज्य का**
- किस अर्थव्यवस्था में उसकी केंद्रीय समस्याओं का निर्णय पूर्ति और मांग की बाजार की शक्तियों के स्वतंत्र क्रियान्वयन के द्वारा होता है?  
- **पूँजीवादी अर्थव्यवस्था**
- पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में मूल्य तंत्र या मूल्य प्रणाली मांग एवं पूर्ति की शक्तियों के माध्यम से कार्य करती है। इस अर्थव्यवस्था को किस अन्य नाम से भी जाना जाता है?  
- **बाजार अर्थव्यवस्था (Market Economy)**
- समाजवादी अर्थव्यवस्था नियोजन के द्वारा अपनी आधारभूत समस्याओं का समाधान करती है। यहां नियोजन का तात्पर्य किससे है?  
- **आर्थिक प्राथमिकताओं के चयन से**
- मिश्रित अर्थव्यवस्था पूँजीवादी एवं समाजवादी अर्थव्यवस्थाओं का मिश्रित रूप होती है। इसकी अवधारणा किसके विचारों की उपज है?  
- **जे.एम. कीन्स**
- भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप द्वैध है। इस रूप में यह आधुनिक के साथ-साथ परम्परागत अर्थव्यवस्था भी है। इसकी अर्थव्यवस्था किस प्रकार की है?  
- **मिश्रित अर्थव्यवस्था (Mixed Economy)**
- किस अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक तथा निजी दोनों क्षेत्र साथ-साथ होते हैं तथा 'क्या, कैसे और किसके लिए उत्पादन किया जाये' के बारे में फैसले आंशिक रूप से बाजार द्वारा और आंशिक रूप से राज्य या अन्य सार्वजनिक प्राधिकारियों द्वारा लिये जाते हैं?  
- **मिश्रित अर्थव्यवस्था**
- मिश्रित अर्थव्यवस्था को प्रो. लर्नर नियंत्रित अर्थव्यवस्था (Controlled Economy) कहते हैं। हैन्सन इसे किस नाम से पुकारते हैं?  
- **द्वैत अर्थव्यवस्था (Dual Economy)**
- उस प्रक्रियागत अवधारणा को क्या कहा जाता है, जिसके अंतर्गत मौद्रिक आय में वृद्धि के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रहन-सहन के स्तर, संचार, परिवहन तथा बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता में सुधार होता है?  
- **आर्थिक विकास (Economic Development)**
- आर्थिक विकास एक दीर्घकालीन, सतत तथा गतिशील प्रक्रिया है। इसलिए आर्थिक विकास में वास्तविक राष्ट्रीय आय में वृद्धि आकस्मिक न होकर क्या होती है?  
- **निरंतर व दीर्घकालीन**
- आर्थिक विकास की स्थिति में अर्थव्यवस्था में किस प्रकार का परिवर्तन होता रहता है?  
- **संरचनात्मक परिवर्तन**

### व्यष्टि अर्थशास्त्र

व्यष्टि अर्थशास्त्र (Micro Economics) में समग्र अर्थव्यवस्था का अध्ययन नहीं किया जाता है। व्यष्टि अर्थशास्त्र व्यक्तियों एवं व्यक्तियों के छोटे समूह की आर्थिक क्रिया का अध्ययन है। व्यष्टि अर्थशास्त्र में विशेष फर्मों, विशेष परिवारों, व्यक्तिगत कीमतों, मजदूरी, आय, व्यक्तिगत उद्योगों और विशेष वस्तुओं का अध्ययन किया जाता है।

### समष्टि अर्थशास्त्र

अर्थशास्त्र की वह शाखा, जिसमें समग्र अर्थव्यवस्था का अध्ययन किया जाता है, समष्टि अर्थव्यवस्था (Macro Economics) कहलाती है। समष्टि अर्थशास्त्र में समग्र मांग, समग्र पूर्ति, समग्र रोजगार, समग्र निवेश तथा समग्र आय का अध्ययन किया जाता है।

### प्रत्यक्ष अर्थशास्त्र

अर्थशास्त्र की वह शाखा जिसका 'क्या होना चाहिए', के स्थान पर 'क्या है' से संबंध होता है, प्रत्यक्ष अर्थशास्त्र (Positive Economics) कहलाता है। प्रत्यक्ष अर्थशास्त्र मानक अर्थशास्त्र के विपरीत है।

### पूँजीवाद

वह आर्थिक व्यवस्था, जिसमें निजी सम्पत्ति उत्पादन के साधनों में से एक होती है और लाभ उत्पादन की मार्गदर्शक शक्ति होती है, पूँजीवाद (Capitalism) कहलाती है। इसके तहत सभी आर्थिक क्रियाएँ बाजार की शक्तियों और कीमत प्रणाली (Price Mechanism) से संचालित होती हैं। इसीलिए इसको बाजार अर्थव्यवस्था (Market Economy) भी कहा जाता है। इसके तहत मुक्त बाजार की अवधारणा काम करती है जिसमें उत्पादन की पूरी प्रक्रिया तथा कीमतों का निर्धारण

- आर्थिक विकास से सामान्य जनता के जीवन स्तर तथा कल्याण में वृद्धि होती है। इस रूप में आर्थिक विकास का संबंध किससे होता है? - **मानवीय कल्याण**
- आर्थिक विकास एक सतत, दीर्घकालीन एवं गतिशील प्रक्रिया है, जिसमें किन कारकों का अध्ययन किया जाता है? - **आर्थिक एवं गैर-आर्थिक दोनों**
- उस प्रक्रिया को क्या कहा जाता है, जिसके अंतर्गत केवल आर्थिक कारकों का अध्ययन किया जाता है? - **आर्थिक संवृद्धि (Economic Growth)**
- आर्थिक विकास एक गुणात्मक संकल्पना है, जबकि आर्थिक संवृद्धि है? - **एक मात्रात्मक संकल्पना**
- आर्थिक संवृद्धि एक स्थिर प्रक्रिया है। इसमें किस प्रकार का परिवर्तन पहले हो चुका होता है? - **संरचनात्मक परिवर्तन**
- आर्थिक विकास की प्रक्रिया में सकल राष्ट्रीय (या घरेलू) उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों को प्रभावित करते हैं। इस प्रक्रिया को क्या कहा जाता है? - **संवृद्धि का रिसाव प्रभाव**
- जब किसी देश में होने वाली आर्थिक संवृद्धि का लाभ सभी वर्गों को नहीं होता है, तो ऐसी संवृद्धि को किस अर्थशास्त्री ने 'बिना विकास की संवृद्धि' (Growth without Development) कहा है? - **रॉबर्ट कर्नोवर**
- विकास की संभावनाओं के आधार पर अल्पविकास की परिभाषा किसने दी है? - **जैकब वाइजर**
- अल्पविकसित देशों में द्वैतवादी व्यवस्था अर्थात् उत्पादन की पुराने एवं नूतन विधियों का साथ-साथ इस्तेमाल देखने में आती है। नीदरलैंड के बोइक इस द्वैतवादी व्यवस्था को क्या कहते हैं? - **सामाजिक द्वैतवाद (Social Dualism)**
- अल्पविकसित देशों में जहाँ कृषि तकनीक पिछड़ी है, वहीं उद्योगों में आधुनिक तकनीक अपनायी गई है। चूंकि आधुनिक तकनीक पूंजी प्रधान है, इसलिए उद्योगों में रोजगार का विस्तार तभी हो सकता है, जब बड़ी मात्रा में पूंजी उपलब्ध हो। इस व्यवस्था को क्या कहा जाता है? - **प्रौद्योगिकीय द्वैतवाद (Technological Dualism)**
- विकासशील या अल्पविकसित अर्थव्यवस्थाओं (Developing Economies) में विश्व की कुल जनसंख्या का लगभग 84.5 प्रतिशत रहता है, परंतु इन्हें विश्व की कुल आय का लगभग 24.6 प्रतिशत ही प्राप्त होता है। इनमें एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के अधिकांश देश और यूरोप के कुछ देश शामिल हैं। प्रो. केरनक्रॉस इन अल्पविकसित अर्थव्यवस्थाओं को विश्व अर्थव्यवस्था की कौन-सी बस्तियां कहा है? - **गंरी बस्तियां**
- आजकल अधिकांश अर्थशास्त्री आर्थिक संवृद्धि को मापने का सर्वोत्तम तरीका किसमें वृद्धि को मानते हैं? - **प्रति व्यक्ति आय में**
- आर्थिक विकास की परम्परागत विचारधारा के विपरीत नई विचारधारा के तहत आर्थिक विकास का मुख्य उद्देश्य गरीबी, असमानता और बेरोजगारी का निवारण रखा गया। इस दौर में कौन-सा नारा दिया गया? - **पुनर्वितरण के साथ संवृद्धि (Redistribution with Growth)**
- अल्पविकसित देशों में श्रम उत्पादकता बहुत कम होती है। यह उनके निम्न जीवन स्तर का कारण (Cause) है या प्रभाव (Effect)? - **कारण व प्रभाव दोनों**
- आर्थिक विकास की दो प्रकार की युक्ति है— संतुलित विकास की युक्ति और असंतुलित विकास की युक्ति। रोजेन्स्टीन रोडन, रेग्नर नर्क्स और आर्थर लेविंस संतुलित विकास की युक्ति के समर्थक हैं। इसके विपरीत असंतुलित विकास की युक्ति के प्रमुख समर्थक कौन-कौन हैं? - **ए.ओ. हरशमैन, एच.डब्ल्यू. सिंगर और पॉल स्टूटन**

मांग और पूर्ति के सिद्धांत के अनुसार बाजार की शक्तियों द्वारा बिना किसी बाह्य शक्ति के हस्तक्षेप द्वारा होता है।

#### साम्यवाद

एक आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था, जो कार्ल मार्क्स के अनुसार वर्ग रहित समाज है और जिसमें प्रत्येक से उसकी क्षमता के अनुसार काम लिया जाता है तथा प्रत्येक को उसकी आवश्यकता के सिद्धांत के अनुसार पारिवर्त्मिक दिया जाता है, साम्यवाद (Communism) कहलाती है।

#### समाजवाद

अर्थव्यवस्था का वह स्वरूप जिसमें उत्पादन के साधनों पर निजी स्वामित्व का कोई अस्तित्व नहीं होता, समाजवाद कहलाता (Socialism) है। इसमें उत्पादन, वितरण एवं विनिमय के साधनों पर समाज, समुदाय या किसी केंद्रीय प्राधिकरण का स्वामित्व होता है। इसके तहत सभी निर्णय केंद्रीय प्राधिकरण, प्रायः सरकार द्वारा लिये जाते हैं। इसे नियोजित अर्थव्यवस्था (Market Economy, Centralised Economy or Command Economy) भी कहा जाता है, क्योंकि इसके तहत सभी निर्णय और उसका क्रियान्वयन एक योजना के तहत केंद्रीय नियोजनकर्ताओं द्वारा किया जाता है।

#### क्या है आर्थिक संवृद्धि और आर्थिक विकास में अंतर?

जहाँ आर्थिक संवृद्धि (Economic Growth) को राष्ट्रीय या घरेलू उत्पाद या प्रति व्यक्ति उत्पाद में वृद्धि के रूप में मापा जाता है, वहीं आर्थिक विकास (Economic Development) में गुणात्मक पहलुओं अर्थात् गरीबी, भुखमरी, अशिक्षा आदि पर भी विचार किया जाता है। तत्पर्य यह है कि आर्थिक विकास को प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के साथ ही साथ लोगों के जीवन स्तर में सुधार (कल्याण) के रूप में भी परिभाषित किया जाता है। जहाँ आर्थिक संवृद्धि की जांच के लिए राष्ट्रीय आय के आँकड़ों पर गौर किया जाता है,



## अर्थव्यवस्था एक परिचय

- पी.सी. महालनोबिस ने दूसरी पंचवर्षीय योजना की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा था कि भारत के लिए सभी क्षेत्रों का समान रूप से विकास कर पाना संभव नहीं है। महालनोबिस का यह कथन किस युक्ति के अनुरूप है? - **असंतुलित विकास की युक्ति**
- एक निश्चित समयावधि में प्रति व्यक्ति उत्पादन की अधिकतम मात्रा को क्या कहा जाता है, जिसे देश की प्राकृतिक संपदा अथवा पर्यावरण को स्थिर या संरक्षित रखते हुए प्राप्त किया जा सकता है? - **हरित जीएनपी (Green GNP)**
- ग्रीन जीएनपी को 'हेल्थ ऑफ नेशन' भी कहा जाता है। इस अवधारणा का प्रतिपादन सर्वप्रथम 1995 में किसके द्वारा किया गया? - **विश्व बैंक**
- 1995 में विश्व बैंक ने 192 देशों की ग्रीन जीएनपी जारी किया था। इसमें ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर और भारत नीचे से 20वें स्थान पर था। सबसे निचले स्थान पर कौन-सा देश था? - **इथियोपिया**
- 1973 में जीएनपी के स्थान पर लोक कल्याण के आकलन हेतु **मेजर ऑफ इकोनॉमिक वेलफेयर (MEW)** की अवधारणा किन अर्थशास्त्रियों ने दी? - **विलियम डी. नोरथॉस एवं जेम्स टोबिन**
- मेजर ऑफ इकोनॉमिक वेलफेयर (MEW) में संशोधन कर **निवल आर्थिक कल्याण (NEW: Net Economic Welfare)** की अवधारणा किस अर्थशास्त्री ने प्रतिपादित की? - **पॉल ए. सैमुल्सन**
- 1989 में तीन अर्थशास्त्रियों हरमन डेली, जॉन कॉब और क्लिफोर्ड कॉब ने कल्याण के आकलन के लिए **वृद्धिपूर्ण जीएनपी** के स्थान पर किस सूचकांक की अवधारणा प्रस्तुत की? - **सतत आर्थिक कल्याण सूचकांक (ISEW: Index of Sustainable Economic Welfare)**
- परम्परागत जीएनपी के विकल्प के रूप में प्रगति को पुनर्परिभाषित करने के लिए 1995 में किस संकेतक का प्रतिपादन किया गया? - **वास्तविक प्रगति संकेतक (GPI: Genuine Progress Indicator)**
- मॉरिस डी. मॉरिस ने 'जीवन की भौतिक गुणवत्ता का सूचकांक' (PQLI: Physical Quality of Life Index) की संकल्पना विकसित की है। 'मूल आवश्यकता दृष्टिकोण' (Basic Need Approach) की अवधारणा का प्रतिपादन किसने किया? - **पॉल स्ट्रीटन**
- 'जीवन की भौतिक गुणवत्ता का सूचकांक' तीन चरों- जीवन प्रत्याशा, साक्षरता तथा मृत्यु दर के आधार पर आकलित किया जाता है। इस सूचकांक का मान किनके बीच होता है? - **0 से 100 के बीच**
- मानव विकास सूचकांक की रचना सर्वप्रथम 1990 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) से जुड़े किस पाकिस्तानी अर्थशास्त्री ने ए.के. सेन और सिंगर हंस के सहयोग से की थी? - **महबूब उल हक**
- मानव विकास सूचकांक की रचना तीन सूचकांकों- शिक्षा सूचकांक, जीवन प्रत्याशा सूचकांक तथा सकल घरेलू उत्पादन सूचकांक के आधार पर की जाती है। मानव विकास सूचकांक इन तीनों सूचकांकों का औसत होता है। मानव विकास सूचकांक का मान कितना होता है? - **0 से 1 के मध्य**
- 0.50 से कम वाला सूचकांक निम्न मानव विकास का सूचक है। उच्च मानव विकास के लिए सूचकांक का मान कितना होता है? - **0.8 से लेकर 1 तक**
- मानव विकास सूचकांक की धारणा किस अवधारणा पर आधारित है? - **क्षमताओं का विस्तार**
- 9 दिसंबर, 2019 को प्रकाशित मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार, मानव विकास सूचकांक के मामले में नॉर्वे (एचडीआई मूल्य 0.954) प्रथम स्थान पर है। इस मामले में भारत का कौन-सा रैंक है? - **129वां (एचडीआई मूल्य 0.647)**

वहीं आर्थिक विकास का अनुमान मुख्य रूप से ढाँचागत परिवर्तनों के आधार पर लगाया जाता है।

## समावेशी विकास

जब विकास की प्रक्रिया में अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्र (प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक), देश के सभी भौगोलिक क्षेत्र तथा समाज के सभी वर्ग (अमीर एवं गरीब, ग्रामीण एवं शहरी पुरुष-महिला, सभी जातियाँ एवं संप्रदाय) शामिल हों, तो ऐसा विकास समावेशी विकास कहलाता है। ऐसे विकास में अवसर की समानता प्रदान करना और शिक्षा व कौशल विकास के द्वारा लोगों को सशक्त करना शामिल है। समावेशी विकास में जनसंख्या के सभी वर्गों के लिए बुनियादी सुविधाओं यानी आवास, भोजन, पेयजल, शिक्षा, कौशल, विकास, स्वास्थ्य के साथ-साथ एक गरिमामय जीवन जीने के लिए आजीविका के साधनों की सुपुर्दगी भी करना होता है। यदि विकास समावेशी नहीं होता है तो यह संभारणीय नहीं बन पाता है एवं धीरे-धीरे अर्थव्यवस्था का पतन होने लगता है। आप के असंतुलित वितरण से धन का संकेंद्रण कुछ लोगों के पास हो जाएगा। समावेशी विकास का अभाव समाज के कुछ वर्गों एवं देश के भौगोलिक क्षेत्रों में असंतोष उत्पन्न करता है।

## धारणीय विकास

ऐसा विकास जो भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा करता है, धारणीय विकास (Sustainable Development) कहलाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा गठित ब्रंटलैंड आयोग ने सबसे पहले 1987 में जारी अपनी रिपोर्ट में इस सस्टेनेबल डेवलपमेंट शब्द का प्रयोग किया। इसको 'टिकाऊ विकास', 'निरंतरता के साथ विकास' या 'सतत विकास' भी कहा जाता है। कोई भी विकास तभी धारणीय है जब कुल प्राकृतिक पूंजी या तो स्थिर रहे या फिर उसमें वृद्धि होती रहे।

## मानव विकास सूचकांक 2019

Source:  
Human Development  
Report 2019  
by UNDP

वर्ष 2019 की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग 129वीं थी। उसकी स्थिति में एक स्थान का सुधार हुआ है। ज्ञात है कि वर्ष 2018 में भारत 130वें स्थान पर था। इस सूचकांक की वरीयता सूची में नॉर्वे, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड और जर्मनी शीर्ष स्थानों पर हैं। सूचकांक में सबसे निचले पायदान पर क्रमशः नाइजर, दक्षिण अफ्रीकी गणराज्य, दक्षिण सूडान, चाड और बुरुंडी हैं। भारत के पड़ोसी देशों में श्रीलंका 71वें स्थान पर और चीन 85वें स्थान पर है। वहीं भूटान 134वें, बांग्लादेश 135वें, म्यांमार 145वें, नेपाल 147वें, पाकिस्तान 152वें और अफगानिस्तान 170वें स्थान पर है। रिपोर्ट के अनुसार, विश्वभर में समूह आधारित असमानता विद्यमान है, जो विशेषकर महिलाओं को प्रभावित करती है। रिपोर्ट के अनुसार, लैंगिक असमानता सूचकांक में 162 देशों की सूची में भारत 122वें स्थान पर है, वहीं पड़ोसी देश चीन (39), श्रीलंका (86), भूटान (99) और म्यांमार (106) भारत से बेहतर स्थिति में हैं। यह सूचकांक महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य, सरकारीकरण और आर्थिक सक्रियता पर आधारित है।

भारत

रैंक: 129/189

स्कोर: 0.647

जन्म के समय जीवन प्रत्याशा  
69.4 वर्ष

सकृदी शिक्षा के अधिष्ठित वर्ष  
12.3

प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय  
6,829 (घोषीय डॉलर)

### भारत का मानव विकास सूचकांक

1990	0.427	1995	0.460	2005	0.535	2010	0.581
2015	0.627	2016	0.636	2017	0.640	2018	0.647

Rank	Country	Score	
71	Sri Lanka	0.780	High
104	Maldives	0.719	
129	India	0.647	
134	Bhutan	0.617	
135	Bangladesh	0.614	Medium
147	Nepal	0.579	
152	Pakistan	0.560	
170	Afghanistan	0.496	Low

Rank	Country	Score
1	Norway	0.954
2	Switzerland	0.946
3	Ireland	0.942
Rank	Country	Score
187	Chad	0.401
188	Central African Rep.	0.381
189	Niger	0.377

- किस वर्ष के मानव विकास रिपोर्ट में असमानता-समायोजित मानव विकास सूचकांक (IHDI: Inequality-adjusted Human Development Index), लिंग असमानता सूचकांक (GII: Gender Inequality Index) तथा बहुआयामी निर्धनता सूचकांक (MPI: Multidimensional Poverty Index) नामक तीन नए माप प्रस्तुत किए गए?

- मानव विकास रिपोर्ट 2010

- जब किसी देश में असमानता अधिक होगी तब असमानता-समायोजित मानव विकास सूचकांक (IHDI) एचडीआई से अधिक होगा या कम?

- कम

- यदि लोगों के बीच कोई असमानता न हो तो IHDI और HDI का मान क्या होगा?

- एक समान

- लिंग असमानता सूचकांक (GII) में महिलाओं के दृष्टिकोण से तीन महत्वपूर्ण आयामों को शामिल किया गया है- प्रजनन स्वास्थ्य, सरकारीकरण और श्रम बाजार में हिस्सेदारी। इस सूचकांक का मान 0 से 1 के बीच में होता है। जीआईआई का मान 0 का तात्पर्य यह है कि महिलाओं और पुरुषों में समानता है। जब इसका मान 1 हो जाये तो इसका क्या आशय है?

- महिलाओं की स्थिति पुरुषों की तुलना में काफी खराब है

- समाज में व्याप्त गरीबी के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से किस मानव विकास रिपोर्ट में पहली बार मानव निर्धनता सूचकांक (HPI: Human Poverty Index) की अवधारणा को शामिल किया गया?

- मानव विकास रिपोर्ट 1997

- मानव निर्धनता सूचकांक दो प्रकार के होते हैं- एचपीआई-1 और एचपीआई-2। इनमें से किसकी रचना विकासशील देशों के लिए की जाती है?

- एचपीआई-1

## मानव विकास सूचकांक

किसी भी देश में बुनियादी मानवीय योग्यता की औसत प्राप्ति ही मानव विकास सूचकांक है। मानव विकास सूचकांक जीवन प्रत्याशा, शैक्षणिक स्तर, प्रति व्यक्ति आय तथा क्रयशक्ति के आधार पर सूचित किया जाता है। मानव विकास सूचकांक (HDI) को सबसे पहले संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की 1990 की मानव विकास रिपोर्ट में प्रस्तुत किया गया। इसको पाकिस्तानी अर्थशास्त्री महबूब उल हक के निर्देशन में तैयार किया गया था।

## वैश्विक मानव पूंजी सूचकांक

वैश्विक मानव पूंजी सूचकांक में मानव पूंजी के विकास और इसके उपयोग का आकलन किया जाता है। इस सूचकांक को विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) द्वारा जारी किया जाता है। इस सूचकांक को 46 संकेतकों के आधार पर तैयार किया जाता है। इससे यह ज्ञात होता है कि कोई भी देश किस तरह मानव पूंजी का विकास और इसका उपयोग कर रहा है तथा शिक्षा, कौशल और रोजगार पर कितना ध्यान दिया जा रहा है। सितंबर 2017 में जारी 130 देशों की इस सूची में नॉर्वे सबसे शीर्ष पर है, जबकि भारत का 103वां स्थान है। उधर 11 अक्टूबर, 2018 को विश्व बैंक ने अपना पहला मानव पूंजी सूचकांक जारी किया। 157 देशों की इस सूची में सिंगपुर पहले स्थान पर और भारत 115वें स्थान पर है। भारत सरकार ने इस निष्कर्ष को अस्वीकृत किया है।

## असमानता-समायोजित मानव विकास सूचकांक (IHDI)

असमानता-समायोजित मानव विकास सूचकांक (IHDI: Inequality-adjusted Human Development Index) से न केवल स्वास्थ्य, शिक्षा तथा आय के आधार पर देश के औसत मानव विकास की जानकारी प्राप्त होती है, बल्कि इसके वितरण के बारे में भी पता चलता है। IHDI की गणना में आयु संभावना, स्कूलों



## अर्थव्यवस्था एक परिचय

- मानव विकास रिपोर्ट 2010 में एचडीआई के स्थान किस एक नए माप को अपनाया गया, जिसकी गणना के लिए बहुआयामी निर्धनता से ग्रस्त लोगों की संख्या को प्रत्येक बहुआयामी आधार पर निर्धन परिवार की औसत कमियों के साथ गुणा किया गया है?
  - बहुआयामी निर्धनता सूचकांक (MPI)
- आर्थिक विकास के माप की एचडीआई विधि पीक्यूएलआई विधि से उत्तम है, क्यों?
  - क्योंकि एचडीआई में आय को एक चर के रूप में लिया गया है, किंतु पीक्यूएलआई में नहीं
- जीवन स्तर को व्यक्त करने के लिए प्रयोग में लाये जाने वाले बेहतर आधुनिकतम माप को क्रयशक्ति समता (PPP: Purchasing Power Parity) के नाम से जाना जाता है। इसके अंतर्गत किस प्रकार की वस्तुओं को सम्मिलित किया जाता है?
  - व्यापारिक तथा गैर-व्यापारिक दोनों
- क्रयशक्ति समता विधि का सर्वप्रथम प्रयोग 1993 में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने किया। आजकल विश्व बैंक भी विभिन्न देशों के रहन-सहन के स्तर की तुलना के लिए कर रहा है, क्योंकि विदेशी विनिमय पर आधारित आय की गणना दो देशों के बीच मूल्य स्तर संबंधी अंतरों को हमेशा स्पष्ट नहीं कर पाती। विनिमय दर निर्धारण के संबंध में इस विधि का प्रतिपादन किसने किया है?
  - जी.आर. कैसेल
- पीपीपी के आधार पर विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं क्रमशः चीन और अमेरिका हैं। इस मामले में वर्तमान में (वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक, अप्रैल 2019) किस देश की अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है?
  - भारत
- वर्ष 2020 में पीपीपी के दृष्टिकोण से विश्व जीडीपी में भारतीय अर्थव्यवस्था की हिस्सेदारी कितने प्रतिशत है?
  - मात्र 8.27%

(नोट: पीपीपी के आधार पर वर्ष 2020 में भारतीय अर्थव्यवस्था 12,363 बिलियन डॉलर की आंकी गई है। इस दृष्टि से भारत का स्थान तीसरा है। पहले दो देश हैं चीन और अमेरिका।)
- प्रौद्योगिकी के निर्माण, प्रसार एवं कुशल मानव शक्ति के निर्माण में देशों की उपलब्धि को व्यक्त करने के उद्देश्य से किस सूचकांक का प्रतिपादन यूनडीपी द्वारा मानव विकास रिपोर्ट 2001 में किया गया है?
  - तकनीकी प्रगति सूचकांक (Technological Progress Index)
- औद्योगिक विकास की अधुंध रीढ़ में बड़े पैमाने पर प्राकृतिक संसाधनों का विनाश हुआ है और पर्यावरण का हास हुआ है। इसलिए आजकल औद्योगिक विकास के किसी भी व्यापक कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण को शामिल करना अपरिहार्य माना जा रहा है। अर्थशास्त्री इस प्रकार के विकास को क्या नाम दिया है?
  - धारणीय विकास (Sustainable Development)
- कृषि, वन, मत्स्य व खनन आदि को प्राथमिक क्षेत्र में शामिल किया जाता है। उद्योग, विनिर्माण आदि को किस क्षेत्र में शामिल किया जाता है?
  - द्वितीयक क्षेत्र
- व्यापार, परिवहन, संचार, बैंकिंग, बीमा, सामुदायिक व वैयक्तिक सेवाएं आदि को किस क्षेत्र में सम्मिलित किया जाता है?
  - तृतीयक क्षेत्र

(नोट: जैसे-जैसे अर्थव्यवस्थाओं में विकास की गति आगे बढ़ती है, वैसे-वैसे उनमें संरचनात्मक परिवर्तन (Structural Changes) होते हैं। इस परिवर्तन के ढांचे में सामान्यतः प्राथमिक क्षेत्र (कृषि) से द्वितीयक क्षेत्र (उद्योग) की ओर और तदुपरांत तृतीयक क्षेत्र (सेवा क्षेत्र) की ओर परिवर्तन की सिलसिला आरंभ होता है। साथ ही साथ राष्ट्रीय उत्पाद और श्रमशक्ति के अनुपात में परिवर्तन होता है।)
- अर्थशास्त्र में 'बाजार' से क्या अभिप्राय है?
  - प्रतिযোগिता की उपस्थिति
- सिंगरेट उद्योग कौन-से बाजार प्रकार की परिभाषा के अंतर्गत आता है?
  - अव्याधिकार (Oligopoly)

में व्यतीत वर्षों तथा आय में असमानताओं को शामिल किया जाता है। यदि लोगों के बीच कोई असमानता न हो तो IHHDI और HDI समान होंगे, लेकिन जैसे-जैसे असमानता में वृद्धि होती जायेगी वैसे-वैसे IHHDI, HDI से कम होत चला जायेगा। इस प्रकार IHHDI और HDI के बीच का अंतर असमानता के कारण संभाव्य मानव विकास में होने वाली हानि का द्योतक है। निष्कर्षतः HDI संभाव्य मानव विकास स्तर तथा IHHDI वास्तविक मानव विकास स्तर का द्योतक है।

### क्रय शक्ति समता (पीपीपी)

क्रय शक्ति समता (PPP: Purchasing Power Parity) का तात्पर्य किन्हीं दो देशों के बीच वस्तु या सेवा की कीमत में मौजूद अंतर से है। इसके जरिए यह पता लगाया जाता है कि दो देशों के बीच मुद्रा का क्रय शक्ति में कितना अंतर या समता है। इससे किसी देश की अर्थव्यवस्था के आकार का पता लगाया जा सकता है। साथ ही, यह मुद्रा विनिमय दर निर्धारित करने में भी अहम भूमिका अदा करता है।

### अहस्तक्षेप की अवधारणा

अहस्तक्षेप या लैसैज फेयर (Laissez faire) की अवधारणा यह बताती है कि अर्थव्यवस्था और व्यवसाय सबसे अच्छा काम तब करते हैं जब सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होता। यह एक फ्रांसीसी वाक्यांश है, जिसका अर्थ होता है अकेला छोड़ देना (To leave alone) इस अवधारणा की शुरुआत इटैलियन अर्थशास्त्री सेरा ने किया, किंतु इसको व्यवस्थित रूप एडम स्मिथ ने दिया तथा जे.एस. मिल जैसे क्लासिकल अर्थशास्त्रियों ने विकसित किया।

### बाजार अर्थव्यवस्था

वह आर्थिक व्यवस्था, जिसमें अर्थव्यवस्था की मुख्य समस्याओं- क्या, कैसे और किसके लिए- का हल पूर्ति एवं मांग की खुला बाजार शक्तियों द्वारा निकाला जाता है, बाजार अर्थव्यवस्था (Market Economy) कहलाती है।

- बड़ी फर्मों की कम संख्या वाले बाजार को क्या कहते हैं? - अल्पाधिकार
- 'पूर्ति अपनी मांग स्वयं निर्धारित कर लेती है' - यह उक्ति किसकी है? - जे.बी. से
- क्रेताओं तथा विक्रेताओं की विशाल संख्या किस बाजार प्रकार की एक अनिवार्य शर्त है? - पूर्ण प्रतियोगिता (Perfect Competition)
- किसी एक समय में एक समय में एक जैसे सामानों के लिए एक समान मूल्य किस प्रकार के बाजार प्रकार की आवश्यक शर्तों में से एक है? - पूर्ण प्रतियोगिता
- पूर्ण प्रतियोगिता में औसत आय किसके बराबर होती है? - सीमांत आय के
- मूल्य और उत्पाद किससे बिना बाजार ढांचे में निर्धारक तत्व होते हैं? - पूर्ण प्रतियोगिता
- बाजार की वह स्थिति जिसमें किसी वस्तु का बाजार में केवल एक ही विक्रेता होता है, क्या कहलाता है? - एकाधिकार (Monopoly)
- एकाधिकारी प्रतियोगिता की एक अनिवार्य शर्त क्या है? - उत्पाद विभेदीकरण
- एकाधिकारी प्रतियोगिता का सिद्धांत किसके द्वारा विकसित किया गया है? - ई.एच. चैम्बरलिन द्वारा
- किस बाजार स्थिति में फर्मों की अधिश्रमता होती है? - एकाधिकारी प्रतियोगिता
- एकाधिकार शक्ति की मात्रा को फर्म के किस लाभ के रूप में मापा जाता है? - फर्म के अधिमान्य लाभ के रूप में
- एकाधिकारी की सीमांत आय किससे कम होती है? - कीमत से
- किस बाजार संरचना में बाजार के मांग वक्र का प्रतिनिधित्व फर्म के मांग वक्र द्वारा होता है? - एकाधिकार
- एकाधिकारी प्रतियोगिता से किसका उत्पादन होता है? - निकटवर्ती स्थानापन्न का
- लाभ-अलाभ स्थिति का उत्पादन वह उत्पादन होता है, जिसमें उत्पादक कितनी लागत की वसूली कर सकता है? - कुल लागत की
- संतुलन-स्तर बिंदु पर उत्पादक को लाभ होता है या हानि? - न लाभ न हानि
- संतुलन-स्तर बिंदु कब घटित होता है? - जब औसत आय औसत लागत के बराबर हो
- यदि औसत लागत गिरती है, तो सीमांत लागत किस दर से गिरती है? - उसी दर से
- किसी मांग वक्र के साथ संचलन को क्या कहा जाता है? - मांग का विस्तार तथा संकुचन
- यदि मांग में परिवर्तन के कारण मांग वक्र दायाँ और पहली वाली कीमत पर पहुँच जाये तो मांग की गयी मात्रा क्या होगी? - बढ़ जायेगी
- यदि मांग की आय लोच एक से अधिक है तो पण्य (वस्तु) कैसी होगी? - विलासितापूर्ण
- यदि क्रेता एक हो और विक्रेता अनेक तो उस स्थिति को क्या कहा जाता है? - एकक्रेताधिकार
- किसी वस्तु की मांग मुख्यतः किस पर निर्भर करती है? - खरीदने की शक्ति (Purchasing Power)
- कीमतों में परिवर्तन के कारण अपने व्यवसाय या परिसम्पत्तियों की रक्षा करने के लिए किसी क्रेता या विक्रेता द्वारा की गयी कार्यवाही को क्या कहा जाता है? - प्रतिरक्षा
- मांग और पूर्ति द्वारा निर्धारित कीमत को क्या कहा जाता है? - संतुलन कीमत
- संतुलन की स्थिति में परिवर्तन कब हो सकता है? - जब किसी आंतरिक कारक में परिवर्तन होता है
- बाजार में संतुलन कीमत का निर्धारण किससे किया जाता है? - सीमांत लागत और सीमांत राजस्व के बीच समानता
- जब सीमांत उपयोगिता शून्य हो, तो कुल उपयोगिता कितनी होती है? - अधिकतम

### अपूर्ण प्रतियोगिता

बाजार की वह स्थिति, जो पूर्ण प्रतियोगिता और एकाधिकार की दो चरम सीमाओं के बीच की स्थिति है, अपूर्ण प्रतियोगिता (Imperfect Competition) वाली बाजार कहलाती है। यह अल्पाधिकार या एकाधिकारी प्रतियोगिता के रूप में परिवर्तित हो सकती है।

### पूर्ण प्रतियोगिता

बाजार की वह स्थिति, जिसमें खरीददारों और विक्रेताओं की एक बहुत बड़ी संख्या बाजार के सभी भागों में एक ही कीमत पर समरूप वस्तु की खरीद-फरोक़ा करती है, पूर्ण प्रतियोगिता (Perfect Competition) कहलाती है। इसके अंतर्गत वस्तु और साधन बाजार में पूर्ण गतिशीलता होती है और खरीददारों और विक्रेताओं को कीमतों और लागतों (वर्तमान और भविष्य) का पूर्ण ज्ञान होता है।

### शुद्ध प्रतियोगिता

बाजार की वह स्थिति, जिसमें कोई भी खरीददार या विक्रेता अपनी स्वतंत्र वैयक्तिक प्रक्रिया से प्रचलित कीमत को प्रभावित नहीं कर सकता है, शुद्ध प्रतियोगिता (Pure Competition) कहलाती है।

### एकाधिकारिक प्रतियोगितात्मक बाजार

बाजार का एक रूप, जिसमें एक विशिष्ट उत्पाद के बहुत बड़ी संख्या में खरीददार या विक्रेता होते हैं, एकाधिकारिक प्रतिस्पर्धात्मक बाजार (Monopolistic Competition) कहलाता है। इस बाजार रूप में उद्योग में फर्मों के आने पर कोई रुकावट नहीं होती। इस बाजार रूप में वैयक्तिक विक्रेता का मांग वक्र ऋणात्मक ढाल वाला होता है।



## अर्थव्यवस्था एक परिचय

- यदि एक घटिया वस्तु की कीमत गिर जाती है, तो उसकी मांग क्या होती है?  
- गिर जाती है
- संतुलन में पूर्णतः प्रतिस्पर्धी फर्म किसको समीकृत करती है?  
- सीमांत लागत से सीमांत लाभ को
- उत्पादन के जिन कारकों को फर्म न किराये पर लेती है और न ही खरीदती है, तो उन पर नियत की गयी लागत को क्या कहते हैं?  
- सामाजिक लागत
- जिस लागत को खर्च कर दिया गया हो और वसूल न हो सके, तो उसे क्या कहते हैं?  
- निम्न लागत
- एंजेल का नियम किसके बीच का संबंध बताता है?  
- मांग की मात्रा और उपभोक्ताओं की आय
- गिफिन वस्तुओं के लिए मांग वक्र कैसी होती है? - ऊपर की ओर बढ़ती हुई
- जो वस्तुएं दुर्लभ हों और उनकी आपूर्ति सीमित हो, उन्हें क्या कहते हैं?  
- विलासिता वस्तुएं
- कोई फर्म साम्यावस्था में तब होती है, जब इसकी सीमांत लागत किसके बराबर हो?  
- सीमांत आय
- अर्थशास्त्र में उत्पादन का क्या अर्थ है? - उपयोगिता का सर्जन/सृजन
- "मुक्त उद्यम पद्धति के अंतर्गत उपभोक्ता ही तय करते हैं कि किन पदार्थों तथा सेवाओं का उत्पादन किया जाएगा और किस मात्रा में", इस संकल्पना को क्या कहते हैं?  
- उपभोक्ता प्रभुत्व
- जब पूर्ण उत्पाद वर्तमान दर से बढ़ता है, तो सीमांत उत्पाद में क्या होता है?  
- वृद्धि होती है
- कृषि उत्पादों की आपूर्ति प्रायः कैसी होती है?  
- खेतीचतार
- किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन का उसकी मांग पर प्रभाव किस नियम को अभिव्यक्त करता है?  
- मांग का नियम
- किस परिस्थिति में मांग का नियम असफल हो जाता है? - निम्नस्तरीय वस्तुएं
- 'मांग का नियम' का आशय है कि जब किसी वस्तु की मांग अधिक होती है, तब उस वस्तु की कीमत क्या होती है?  
- बढ़ती है
- वस्तुओं की मांग में कमी या पूर्ति में वृद्धि होने पर क्या होता है?  
- वस्तुओं की कीमतें कम हो जाती हैं
- कीमत सिद्धांत को किस अर्थशास्त्र से संबंधित है?  
- व्यक्ति अर्थशास्त्र (Micro Economics)
- जब व्यक्ति को किसी वस्तु को छोड़ने के बजाय उसके लिए अधिक कीमत अदा करनी पड़ती है तो उसे क्या कहा जाता है?  
- उत्पादक का अधिशेष
- जब किसी वस्तु की कीमत गिरती है, तो किस बात की आशा की जाती है?  
- उसकी मांग बढ़ने की
- अर्थशास्त्र में मांग का क्या अर्थ है? - क्रयशक्ति पर आधारित मांग
- पारिभाषिक शब्द 'उपयोगिता' (Utility) से क्या अभिप्राय है?  
- किसी पण्य द्वारा सेवा में लाये जाने की क्षमता
- 'उपभोग फलन' किनके बीच के संबंध को प्रदर्शित करता है? - आय और उपभोग
- विज्ञापन देने के लिए होने वाले खर्च को क्या कहते हैं? - विक्रय लागत
- उपभोक्ता किसी वस्तु की जितनी कीमत देने का तैयार है उस कीमत तथा उसके द्वारा वस्तुतः दी गयी कीमत के बीच के अंतर को क्या कहा जाता है?  
- उपभोक्ता अधिशेष

### अल्पाधिकार

यदि किसी बाजार में विक्रेताओं की संख्या बहुत ही कम (परंतु दो से अधिक) होती है, तो ऐसा बाजार अल्पाधिकार (Oligopoly) कहलाता है। इस प्रकार के बाजार में थोड़े से विक्रेताओं द्वारा विक्रय की जाने वाली वस्तु एक-सी भी हो सकती है और नहीं भी हो सकती है।

### एकाधिकार

बाजार की वह स्थिति जिसमें किसी वस्तु का बाजार में केवल एक ही विक्रेता होता है, एकाधिकार (Monopoly) कहलाता है। ऐसी स्थिति में बाजार में प्रतिस्पर्धा का अभाव होता है।

### द्विपक्षीय एकाधिकार

बाजार की वह स्थिति जिसमें एकाधिकारी खरीददार का सामना एकाधिकारी विक्रेता से होता है, द्विपक्षीय एकाधिकार (Bilateral Monopoly) कहलाता है।

### द्वयाधिकार

अल्पाधिकार में वह बाजार अवस्था, जिसमें केवल दो विक्रेता होते हैं, द्वयाधिकार (Duopoly) कहलाता है।

### कीमत रेखा

मांग के उदासीनता वक्र विश्लेषण में वह रेखा, जो दो वस्तुओं के उन सब सम्बन्धनों को दिखाती है, जिन्हें उपभोक्ता एक विशेष समय पर खरीद सकता है, जबकि दोनों वस्तुओं की कीमतें और उपभोक्ता की मुद्रा आय (या बजट) दिए गए हों, कीमत रेखा (Price Line) या बजट रेखा (Budget Line) कहलाती है।

### 'से' का नियम

'से' के नियम (Say's Law) यह बताता है कि पूर्ति अपनी मांग स्वयं सृजित करती है। यह सिद्धांत यह कहने के लिए प्रस्तुत किया जाता है कि वस्तुओं का अति उत्पादन नहीं हो सकता और अर्थव्यवस्था स्वतः पूर्ण रोजगार संतुलन की ओर अग्रसर होती है।

- किसके मामले में उपभोक्ता अधिशेष सबसे अधिक होता है? - आवश्यकताएं
- लाभ के गतिशील सिद्धांत का प्रस्तावक कौन था? - क्लार्क
- किसके अंतर्गत खरीदारों और विक्रेताओं को बाजार स्थितियों की संपूर्ण जानकारी होगी? - पूर्ण प्रतियोगिता
- यदि ह्रासमान दर पर सीमांत प्रतिफल बढ़ जाता है तो कुल प्रतिफल का क्या होता है? - घट जाता है
- वर्धमान प्रतिफल नियम का क्या अर्थ है? - ह्रासमान लागत
- जब उपभोक्ता की आय बढ़ती है तो छोटी वस्तुओं पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? - नकारात्मक प्रभाव
- आगत-निर्गत विश्लेषण (Cost-Benefit Analysis) को प्रायः क्या कहा जाता है? - अंतर-उद्योग विश्लेषण
- 'बाजार नियम' किसने प्रस्तुत किया था? - जे.बी. से
- किस प्रकार का बाजार कीमतों को नियंत्रित करने में असमर्थ रहता है? - पूर्ण स्पर्धा
- ऐसी बाजार प्रणाली जिसमें केवल दो क्रोता हों और बहुत से विक्रेता हों, क्या कहलाती है? - द्वि-क्रोताधिकार
- किस स्थिति में विक्रय लागत वहन करना जरूरी होता है? - एकाधिकार प्रतियोगिता
- जब बढ़ती हुई आय के साथ-साथ किसी वस्तु की मांग बढ़ती है तो ऐसी वस्तु को क्या कहते हैं? - उत्कृष्ट माल
- किसी वस्तु की मांग एक प्रत्यक्ष मांग है, किंतु उत्पादन के घटक की मांग क्या कहलाती है? - व्युत्पन्न मांग
- प्रचालन अधिशेष किसमें बनता है? - सरकारी क्षेत्र में
- एक मुक्त उद्यम अर्थव्यवस्था में संसाधन विभाजन का निर्धारण किसके द्वारा किया जाता है? - उपभोक्ता के व्यवहार के नमूने
- किस प्रकार की बाजार व्यवस्था में बाजार अथवा उद्योग पर कुछ ही विक्रेताओं का वर्चस्व होता है? - अल्पाधिकार
- 'अल्पाधिकार' की सामान्य विशेषता क्या है? - अल्प विक्रेता, अधिक क्रोता
- स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) में बचत एवं ऋण गतिविधियों से संबंधित निर्णय कौन लेता है? - समूह के सदस्य
- वस्तु या उत्पाद विभेद किस बाजार में पाया जाता है? - अपूर्ण प्रतियोगी बाजार
- 'संपत्ति के श्रम सिद्धांत' से कौन संबंधित है? - जॉन लॉक
- आधारभूत खाद्यान्न की मांग किस प्रकार की होती है? - लगभग पूर्णतः खलोचवार
- टिकाऊ उपभोगी वस्तुओं को क्या कहा जाता है? - श्वेत पदार्थ
- सतत आर्थिक विकास से क्या अभिप्राय है? - वर्तमान पीढ़ी के विकास के साथ-साथ भविष्य का आर्थिक विकास
- विक्रेता बाजार की स्थिति में मांग और पूर्ति के बीच क्या संबंध होता है? - मांग पूर्ति से अधिक होती है
- संवृद्धि का सबसे अच्छा मापदण्ड क्या है? - औसत प्रति व्यक्ति आय
- लॉर्ड कीन्स के सिद्धांत के अनुसार, व्याज दर को किसकी मांग एवं आपूर्ति द्वारा निर्धारित किया जा सकता है? - मुद्रा
- उत्पादन के संपर्क अपरिवर्तित रहने वाली लागतें, यथा- किराया, पूंजी, व्याज आदि क्या कहलाती हैं? - अचल लागत या स्थिर लागत (Fixed Cost)

### विक्रय लागत

वस्तु को बाजार से पहली बार विक्री से संबंधित या खरीददार को प्रेरित करने के लिए किया गया खर्च विक्रय लागत (Selling Costs) कहलाता है। उदाहरणतः विज्ञापन विक्री प्रोत्साहन, सौदा बेचना इत्यादि।

### संतुलन स्तर बिंदु

बिंदु जिस पर औसत आगम औसत लागत के बराबर होता है, संतुलन स्तर बिंदु (Break Even Point) कहलाता है। अर्थशास्त्र में कुल लागत में सामान्य लाभ निहित होता है। इस प्रकार अर्थशास्त्र की परिभाषा के अनुसार संतुलन स्तर बिंदु का अर्थ शून्य लाभ नहीं है।

### कीमत विभेद

एक ही वस्तु के लिए विभिन्न ग्राहकों से या विभिन्न उपभोगों के लिए ली गई विभिन्न कीमतें या एक ही ग्राहक से वस्तु का विभिन्न इकाइयों के लिए ली गई विभिन्न कीमतें 'कीमत विभेद' (Price Discrimination) कहलाती हैं। पूर्ण प्रतिस्पर्धा के अलावा अन्य बाजार स्थितियों में भी यह सम्भव है।

### उदासीनता वक्र

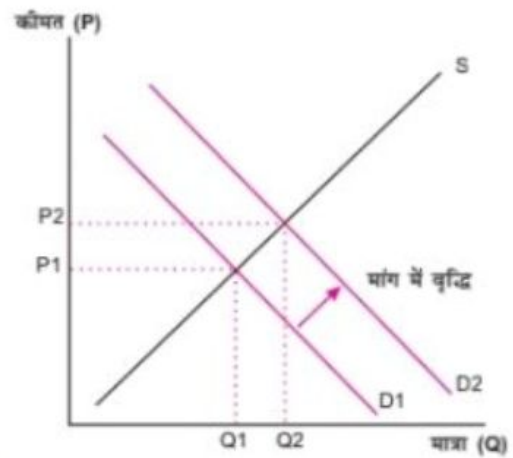
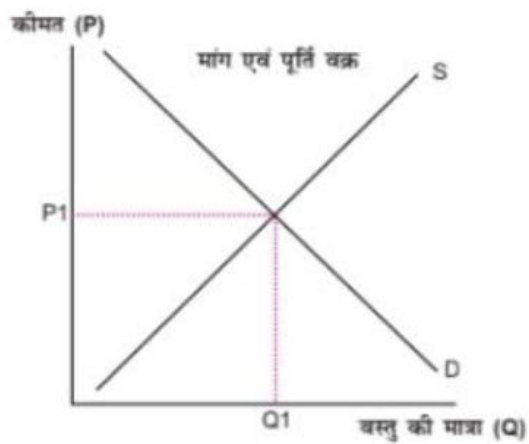
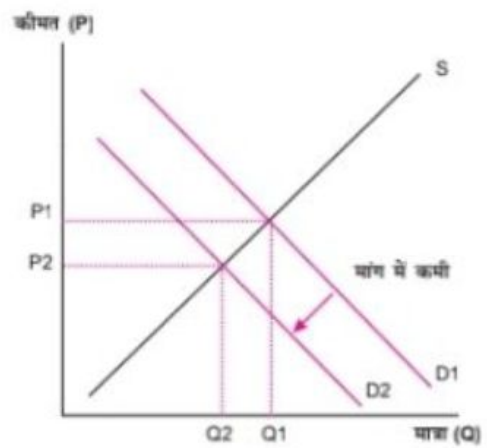
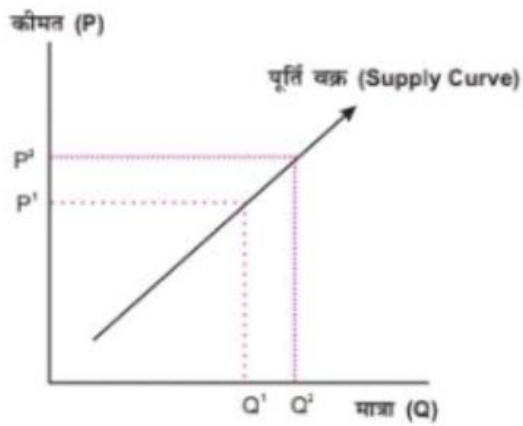
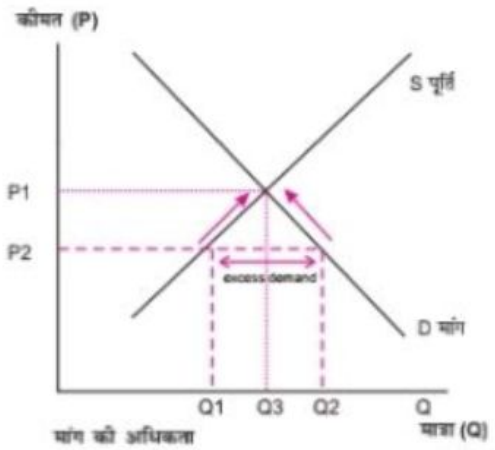
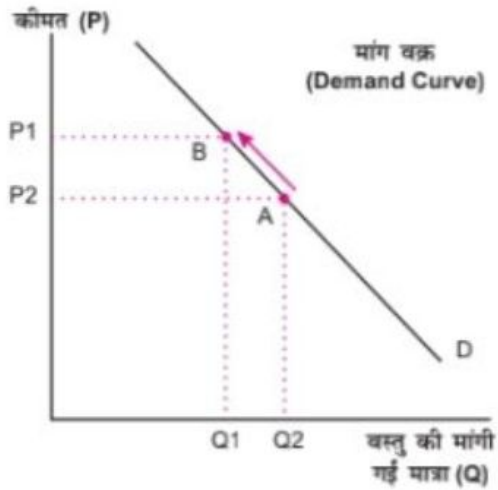
दो वस्तुओं के ऐसे संयोगों या मात्राओं को प्रदर्शित करने वाला वक्र जिससे उपभोक्ता को समान संतुष्टि प्राप्ति होती है, उदासीनता वक्र (Indifference Curve) कहलाता है।

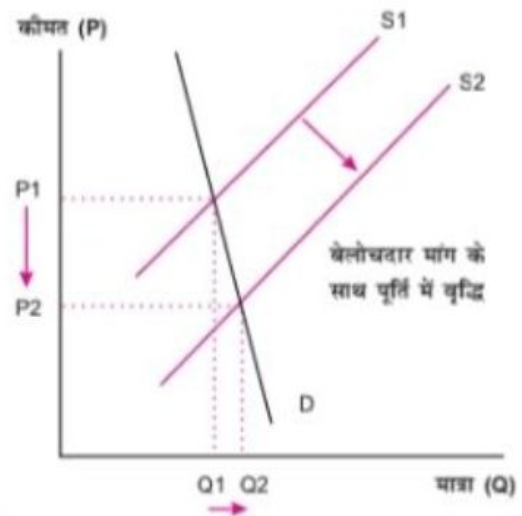
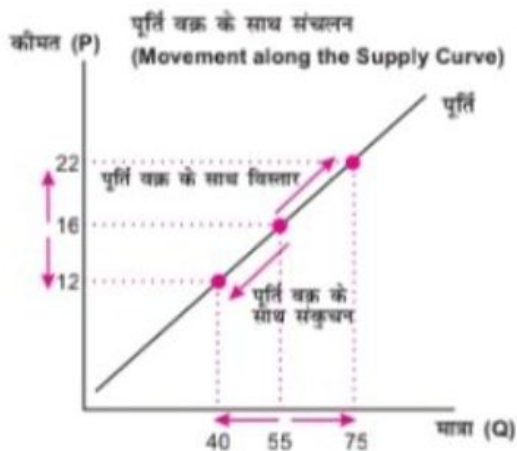
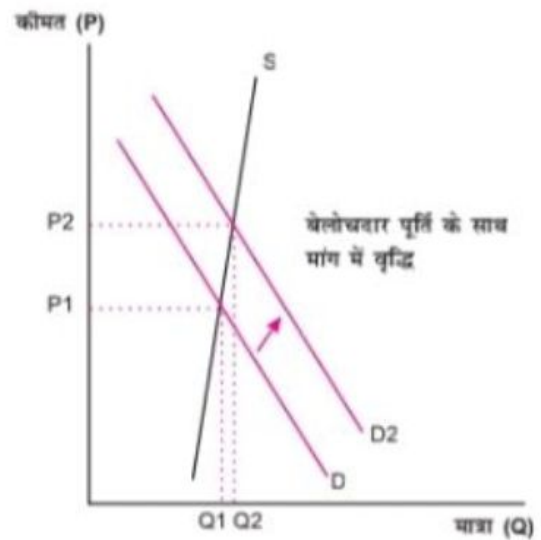
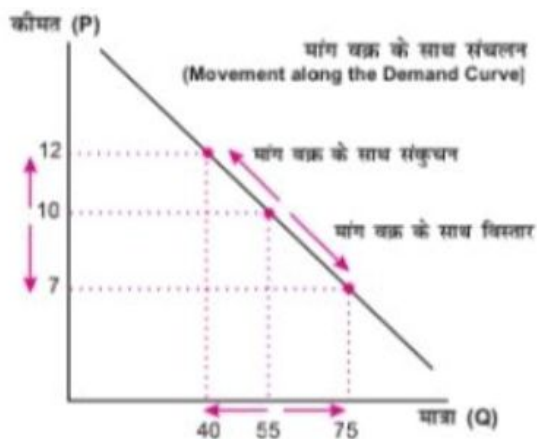
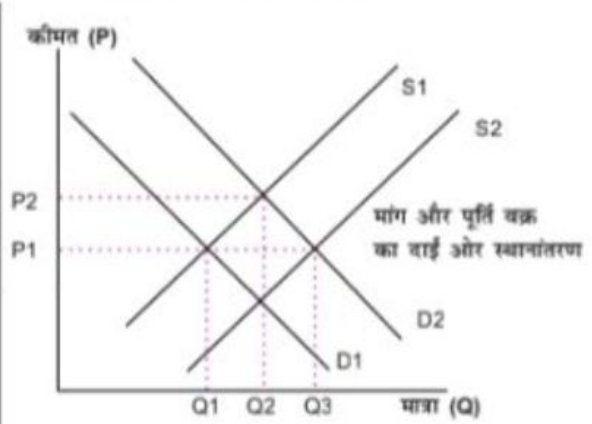
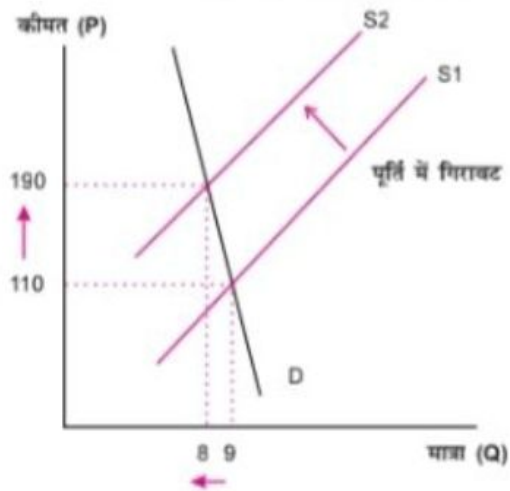
### आय उपभोक्ता वक्र

उदासीनता वक्र विश्लेषण में वह रेखा, जो उदासीनता वक्र पर कीमत रेखा के उन बिंदुओं को आपस में मिलाती है जो आय में परिवर्तन होने पर कीमत में किसी प्रकार के परिवर्तन होने की प्रवृत्ति को प्रदर्शित करते हैं, आय उपभोक्ता वक्र कहलाती है।



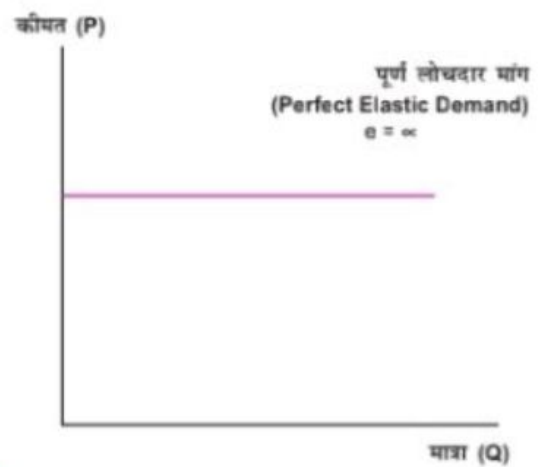
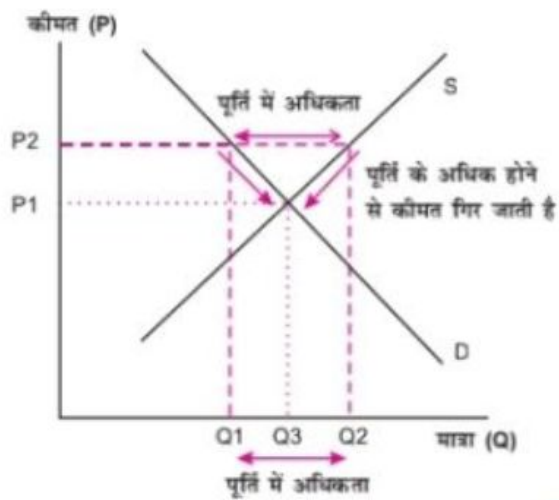
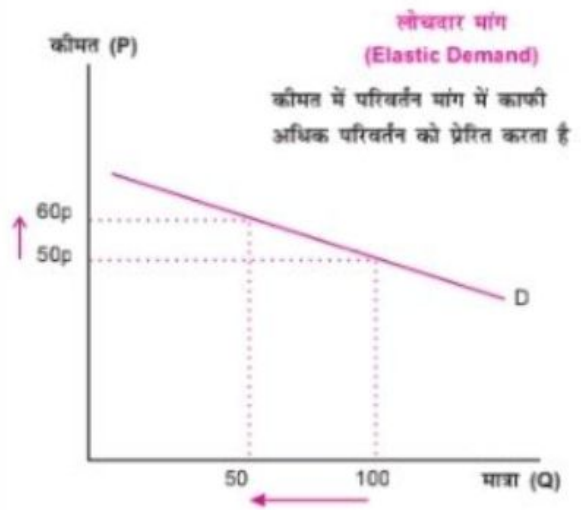
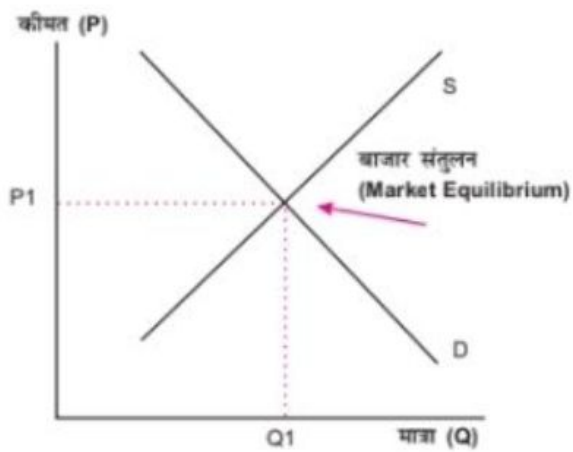
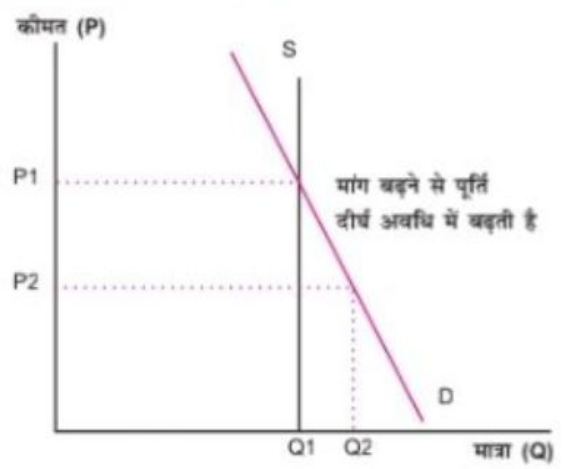
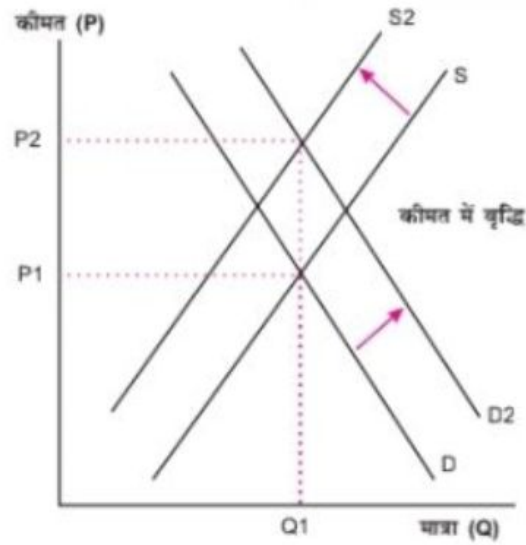
## व्यष्टि अर्थशास्त्र संबंधी रेखाचित्र

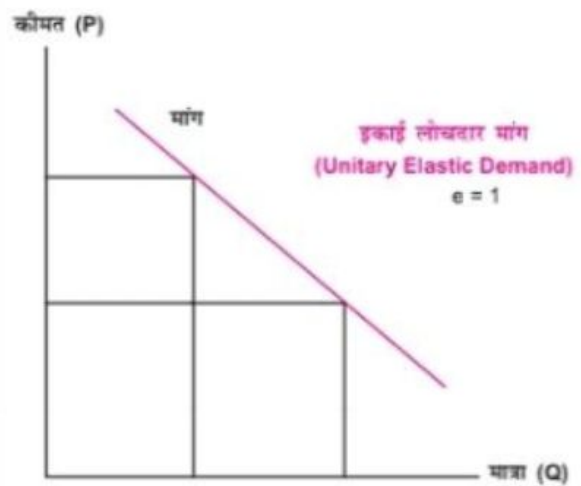
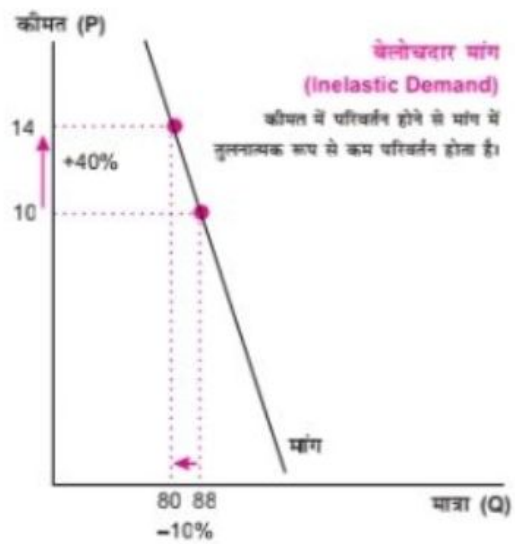
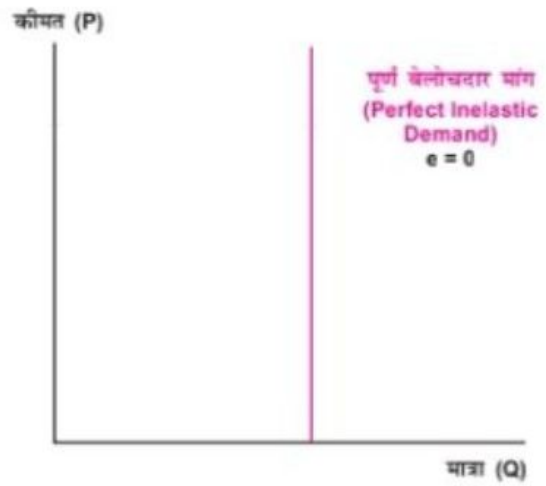






## अर्थव्यवस्था एक परिचय







## अर्थव्यवस्था एक परिचय

मुख्य आर्थिक संकेतक ( आर्थिक समीक्षा 2019-20 )					
आंकड़ा श्रेणी	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
<b>जीडीपी और संबंधित संकेतक</b>					
चालू बाजार दर पर जीडीपी	लाख करोड़ रु.	153.6	171.0	190.1 <sup>a</sup>	204.4 <sup>b</sup>
स्थिर बाजार दर पर जीडीपी	लाख करोड़ रु.	123.0	131.8	140.8 <sup>a</sup>	147.8 <sup>b</sup>
वृद्धि दर	प्रतिशत	8.2	7.2	6.8 <sup>a</sup>	5.0 <sup>b</sup>
चालू आधार कीमत पर जीवीए	लाख करोड़ रु.	139.4	154.8	172.0 <sup>a</sup>	185.0 <sup>b</sup>
स्थिर आधार कीमत पर जीवीए	लाख करोड़ रु.	113.2	121.0	129.1 <sup>a</sup>	135.4 <sup>b</sup>
वृद्धि दर	प्रतिशत	7.9	6.9	6.6 <sup>a</sup>	4.9 <sup>b</sup>
सकल बचत	% जीडीपी	30.3	30.5	उप.न.	उप.न.
सकल पूंजीगत निर्माण	% जीडीपी	30.9	32.3	उप.न.	उप.न.
प्रति व्यक्ति निवल राष्ट्रीय आय ( चालू कीमत पर )	रुपये	104659	114958	126406 <sup>a</sup>	135050 <sup>b</sup>
<b>उत्पादन</b>					
खाद्यान्न	मिलियन टन	275.1	285.0	285.0 <sup>a</sup>	140.6 <sup>c</sup>
औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक	प्रतिशत	4.6	4.4	3.8	0.6 <sup>d</sup>
विद्युत सृजन ( वृद्धि )	प्रतिशत	4.7	4.0	3.5	0.3 <sup>d</sup>
<b>कीमत</b>					
डब्ल्यूपीआई औसत	प्रतिशत	1.7	3.0	4.3	1.5 <sup>e</sup>
सीपीआई ( संयुक्त ) मुद्रास्फीति ( औसत )	प्रतिशत	4.5	3.6	3.4	4.1 <sup>e</sup>
<b>वैदेशिक क्षेत्र</b>					
व्यापारिक माल निर्यात वृद्धि ( यूएस डॉलर )	प्रतिशत	5.2	10.0	8.8	-2.0 <sup>f</sup>
व्यापारिक माल निर्यात वृद्धि ( यूएस डॉलर )	प्रतिशत	0.9	21.1	10.4	-8.9 <sup>f</sup>
चालू खाता कोष	% जीडीपी	-0.6	-1.8	-2.1	1.5 <sup>g</sup>
विदेशी विनिमय आरक्षण निधि ( वर्षांत )	US\$ बिलियन	370.0	424.5	412.9	457.5 <sup>h</sup>
औसत विनिमय दर	रुपये/यूएस डॉलर	67.1	64.5	69.9	70.4 <sup>i</sup>
<b>मुद्रा और ऋण</b>					
व्यापक मुद्रा ( एम3 ) वृद्धि ( वार्षिक )	प्रतिशत	10.1	9.2	10.5	9.8 <sup>j</sup>
अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक ऋण ( वृद्धि )	प्रतिशत	8.2	10.0	13.3	7.2 <sup>j</sup>
<b>राजकोषीय संकेतक ( केन्द्र )</b>					
सकल राजकोषीय घाटा	% जीडीपी	3.5	3.5	3.4 <sup>b</sup>	3.3 <sup>b</sup>
राजस्व घाटा	% जीडीपी	2.1	2.6	2.2 <sup>b</sup>	2.3 <sup>b</sup>
प्राथमिक घाटा	% जीडीपी	0.4	0.4	0.2 <sup>b</sup>	0.2 <sup>b</sup>
<b>टिप्पणियाँ:</b>					
उप.न.: उपलब्ध नहीं					
a: अर्न्ततम आकलन, b: प्रथम अग्रिम आकलन, c: 2018-19 का प्रथम अग्रिम अनुमान तथा 2019-20 का प्रथम अग्रिम अनुमान, d: (अप्रैल-नवम्बर) 2019, e: (अप्रैल-दिसंबर) 2019, f: (अप्रैल-सितंबर) 2019, g: नवंबर 2019, h: संशोधित अनुमान, i: बजट अनुमान, j: दिसंबर 2019 का अंत					